अनुसन्धानसंस्थानम्

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी

राष्ट्रियमूल्यांकनप्रत्यायनपरिषदः प्रवरसमितेः

अध्यक्षाणां सदस्यानां च

हार्दं स्वागतम्

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः,वाराणसी

निदेशकः

प्रो. अमितकुमारशुक्लः
अनुसन्धान संस्थानम्

ऐतिह्यम्

स्थापनावर्षम् -1958

ध्येयाः दृष्टयश्च

- पाण्डुलिपिषु निहित ज्ञानराशिणां जनसामान्ये प्रकटीकरणम्
- पाण्डुलिपिनां विधिपूर्वकं सम्पादनं प्रकाशनं च
- वैदिकं एवं पौराणिकं वाङ्मयस्यानुसंधानम्
- शास्त्राणां अन्तःशास्त्रीयाध्ययनम्

शैक्षणिकपाठ्यक्रमाः

- शोधप्रविधिपाठ्यक्रमः - षण्मासात्मकम्
- विद्यावारिधिः (Ph.D.) शोधोपाधिः - त्रिवर्षीयः
- विद्यावाचस्पतिः (D.Litt) शोधोपाधिः

संस्थानस्य समितयः

- शोधसंचालनसमिति
- परामर्शदातृसम्पादकमण्डलम्
- सम्पादकमण्डलम्
- पर्यवेक्षकमण्डलम्

विभागीयोपक्रमाः

- सारस्वतीसुषमापत्रिकायाः प्रकाशनम्
- शोधप्रविधि पाठ्यक्रमस्य संचालनम्
- शोधप्रवेशप्रक्रियायाः संचालनम्

विश्वविद्यालयीया शोधपत्रिका

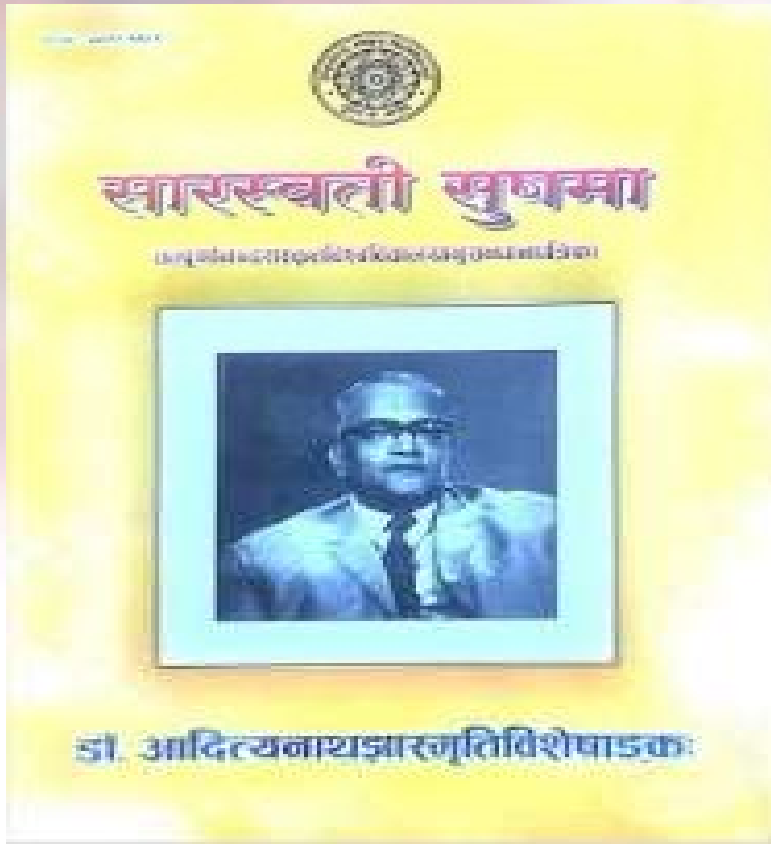

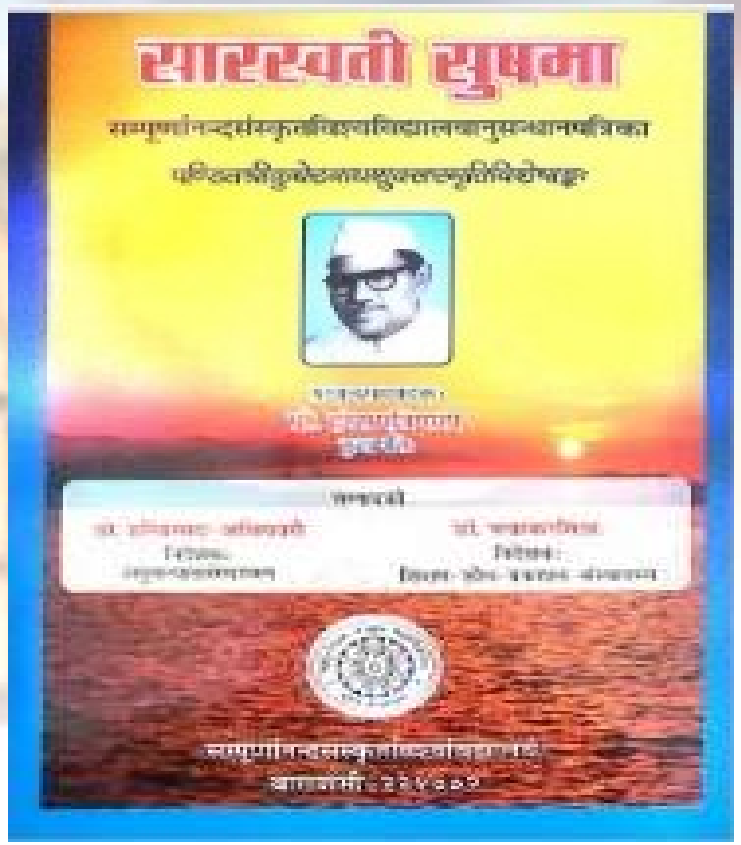

RESEARCH POLICY

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
विद्यावारिधि उपाधि अध्यादेश २०२४

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कार्यालय ज्ञाप संख्या कु०स० ७४९१/२०२४ दिनांक ०६/११/२०२४ के अनुपालन में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा ५२ की उपधारा ३ के अन्तर्गत सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी की विद्यावारिधि (Ph.d.) उपाधि के लिए पूर्व प्रवर्तित शोध अध्यादेश का निरसन करते हुए **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदण्ड और प्रक्रिया)** विनियम २०२२ के समस्त उपबन्धों को स्वीकार किया जाता है। उक्त उपबन्धों की मूल भावना प्रभावित किये बिना इस विश्वविद्यालय की आवश्यकतानुरूप निम्नांकित उपबन्ध स्थापित किया जाता है।

१.० लघु शीर्षक अनुप्रयोग एवं प्रवर्तन

१.१ इन विनियमों को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी (पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदण्ड और प्रक्रिया) विनियम, २०२४ कहा जाएगा।

१.२ विश्वविद्यालय की शोध उपाधि का नाम 'विद्यावारिधि (पीएच.डी.)' होगा। इस उपाधि की स्पष्टता के लिये विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप में निर्गत किये जाने वाले प्रमाणपत्र में अंग्रेजीभाषा में पीएच.डी (Doctor of Philosophy) लिखा जायेगा। प्रमाणपत्र में शोधशीर्षक और विषय का उल्लेख किया जायेगा। प्रमाणपत्र में यह भी उल्लिखित होगा कि विद्यावारिधि की उपाधि 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (पीएच.डी उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदण्ड और प्रक्रिया) विनियम, 2022 के प्रावधानों के अनुरूप' प्रदान की जा रही है।

१.३ ये विनियम सत्र 2024-25 से प्रभावी होंगे।

२.० परिभाषाएं

(१) इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -

(क) "अधिनियम" का अर्थ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, १९५६ (१९५६ का ३) है।

(ख) "अनुबंधक संकाय" का अर्थ है एक अंशकालिक या आकस्मिक प्रशिक्षक, लेकिन पूर्णकालिक संकाय सदस्य नहीं, जो एक उच्चतर शिक्षण संस्थान द्वारा पढ़ाने के लिए नियुक्त किया गया है।

(ग) "संचित ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए)" का अर्थ सभी सेमेस्टर में एक छात्र के समग्र संचित प्रदर्शन का परिणाम है। सीजीपीए सभी सेमेस्टर में विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक छात्र द्वारा अर्जित कुल क्रेडिट अंकों तथा

संस्थानीय सौविध्यानि

- अध्यापनप्रकोष्ठाः - ५
- ध्वनिरिकार्डिंगकक्षः
- पुस्तकालयः -१
- अंतर्जालव्यवस्था
- संगणकप्रदर्शक - डिजिटलपट्टव्यवस्था

पञ्जीकृतच्छात्राणां विवरणम् (विगतपञ्चवर्षेषु 2018 -2024 पर्यन्तम्)

पाठ्यक्रमा:	विद्या-वारिधि:
शैक्षणिक सत्रम्	
2018-19	09
2019-20	09
2020-21	09
2021-22	07
2022-23	05
2023-24	11
सम्पूर्ण-योगः	

पदविवरणम्

क्र०सं०	नामानि	पदानि	पूरितपदानि	रिक्तपदानि
01	निदेशकः	01	00	01
02	अनुसंधानसहायकः	04	01	03

अनुसंधानसंस्थानस्य निदेशकानां सूची

➢प्रो० क्षेत्रेश चन्द्र चट्टोपाध्याय	१९५८-१९६४
➢प्रो० बलदेव उपाध्याय	१९६४-१९६९
➢प्रो० बदरीनाथ शुक्ल	अप्रैल १९६९-१९७० जून
➢डॉ. भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी "वागीश शास्त्री"	जुलाई १९७०-१९९६ जून
➢प्रो० आद्याप्रसाद मिश्र	जुलाई १९९६-१९९८ फरवरी
➢प्रो० श्रीकान्त पाण्डेय	फरवरी १९९८-१९९८ अगस्त
➢डॉ. रहस बिहारी द्विवेदी	सितम्बर १९९८-१९९८ दिसम्बर
➢ डॉ. राजाराम शुक्ल	फरवरी २००१-२००९ फरवरी
➢प्रो. नरेन्द्र नाथ पाण्डेय	फरवरी २००९-२०१२ जनवरी
➢प्रो० गिरिजेश कुमार दीक्षित	जनवरी २०१२-२०१३ जनवरी
➢प्रो० रामकिशोर त्रिपाठी	जनवरी २०१३-२०१४ जून
➢प्रो० हरिप्रसाद अधिकारी	जून २०१४- अगस्त २०२३
➢प्रो० अमित कुमार शुक्ल	अगस्त २०२३ - अद्यावधि

विगतपंचवर्षेषु संस्थानस्य प्रकाशनम्

क्र०सं०	पुस्तक का नाम	प्रकाशन वर्ष
01	वेदान्त सूत्रमुक्तावली	2021
02	शोधनिबन्धावली भाग -१	2021
03	प्राच्य विद्या में अनुसंधान के विविध आयाम	2022
04	भास्करी भाग-३	2021
05	गरूणपुराण सारोद्वार	2021
06	महाभाष्य नवाहिन्कस्थ प्रदीपोद्योत शब्दकौस्तुभानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	2021
07	शिक्षा संग्रह	2022
08	अर्वाचीनं ज्योर्तिविज्ञानम्	2022
09	सनातन धर्मोद्वार	2022
10	कुलगीतम्	2022
11	गांधी प्रसंग	2022
12	शोधनिबन्धावली भाग -०२	2022

13	शोध निबन्धावली भाग -३	2022
14	माध्यन्दिन शतपथ ब्राह्मण भाग - ०१	2022
15	श्री कार्ष्णिगुरूशतकम्	2023
16	कथा पंचदशी	2022
17	पिंगलच्छन्द सूत्रम्	2022
18	जैन अर्धमागधी आगमोंका काव्यशास्त्री परिशीलन	2024
19	प्रशस्तपाद भाष्यम्	2024
20	श्री दुर्गासप्तशती	2024
21	श्री तंत्रालोक भाग -६	2024
22	श्री तंत्रालोक भाग -७	2024
23	श्री तंत्रालोक भाग - ८	2024

विगतपंचवर्षेषु संस्थानस्य कार्यक्रमाः		
०१	शोधप्रवेशपरीक्षायाः संचालनम्	२०२२
०२	शोधप्रविधिपाठ्यक्रमस्य संचालनम्	दिनांक २१.११.२०२३ तः ३१.०३.२०२४ यावत्
०३	शोधप्रविधिपाठ्यक्रमस्य संचालनम्	दिनांक २१.१०.२०२४ तः ०६.०३.२०२५

संस्थानस्य उत्तमप्रकल्पाः

- सारस्वतीसुषमा पत्रिकायाः प्रकाशनम्
- शोधप्रविधि पाठ्यक्रमस्य संचालनम्
- पाण्डुलिपिनां प्रकाशनम्
- शोधछात्राणां कृते संगणकस्य प्रशिक्षणम्
- लिपिनां प्रशिक्षणम्

विश्वविद्यालये संस्थानस्य अवदानम्

- शोधपत्रिकायाः प्रकाशनम्
- पाण्डुलिपिनां प्रकाशनम्
- विश्वविद्यालयस्य सर्वेषां अनुसंधानस्य प्रकाशनम्

संस्थानस्य प्रबलपक्षाः

- संस्कृतानुसंधानस्य सर्वतो प्राचीन संस्थानः
- सर्वतो प्राचीनसंस्कृतशोधपत्रिकायाः प्रकाशनम्

संस्थानस्य आगामिन्यः योजनाः नूतनसंभावनाः

- शोधसामग्रिणां उन्नयनं संवर्धनं च
- शोधकार्येषु नवीनतकनीकीनां प्रयोगः
- शोधसंगोष्ठीनामायोजनम्
- समसामयिकविषयेषु शोधप्रोत्साहनम्
- अप्रकाशितपाण्डुलिपीनां संस्थानपक्षतः प्रकाशनम्

संस्थानस्य अपेक्षितकार्याणि

- रिक्तपदानां प्रपूरणम्
- नूतनपरियोजनानां प्रस्तावः
- आधुनिकयंत्राणाम् वर्धापनम्
- आधुनिकयंत्राणाम् संग्रहणम्
- प्रतियोगिपरीक्षाणां प्रशिक्षणक्रमः
- विषयसम्बद्धाणां पाण्डुलिपीणां प्रकाशनम्

धन्यवादः